

賞梅詩集

14.11  
文建  
林



## 目 录

|        |           |        |
|--------|-----------|--------|
| 前 言    | 《赏梅诗集》编委会 | ( 1 )  |
| 寄范晔梅花诗 | 陆 凯       | ( 5 )  |
| 无 题    | 柳子厚       | ( 5 )  |
| 岭山红梅   | 苏 轼       | ( 5 )  |
| 喜见梅花   | 尚 镛       | ( 6 )  |
| 庾岭红梅   | 刘 节       | ( 6 )  |
| 无题二首   |           | ( 7 )  |
| 腊梅二首   |           | ( 7 )  |
| 绿萼梅二首  |           | ( 8 )  |
| 落梅二首   |           | ( 8 )  |
| 蟠 梅    |           | ( 9 )  |
| 探梅二首   | 冯学士       | ( 9 )  |
| 寄梅二首   |           | ( 10 ) |
| 枯 梅    | 舒状元       | ( 11 ) |
| 瓶 梅    |           | ( 11 ) |
| 古 梅    |           | ( 11 ) |
| 庭 梅    |           | ( 12 ) |

|   |        |        |
|---|--------|--------|
| 官 | 梅..... | ( 12 ) |
| 江 | 梅..... | ( 12 ) |
| 溪 | 梅..... | ( 12 ) |
| 岭 | 梅..... | ( 13 ) |
| 野 | 梅..... | ( 13 ) |
| 忆 | 梅..... | ( 13 ) |
| 梦 | 梅..... | ( 13 ) |
| 寻 | 梅..... | ( 14 ) |
| 问 | 梅..... | ( 14 ) |
| 索 | 梅..... | ( 14 ) |
| 观 | 梅..... | ( 14 ) |
| 赏 | 梅..... | ( 15 ) |
| 友 | 梅..... | ( 15 ) |
| 评 | 梅..... | ( 15 ) |
| 歌 | 梅..... | ( 15 ) |
| 惜 | 梅..... | ( 16 ) |
| 折 | 梅..... | ( 16 ) |
| 剪 | 梅..... | ( 16 ) |
| 浴 | 梅..... | ( 16 ) |
| 狂 | 梅..... | ( 17 ) |
| 蟠 | 梅..... | ( 17 ) |

|   |        |        |
|---|--------|--------|
| 补 | 梅..... | ( 17 ) |
| 苔 | 梅..... | ( 17 ) |
| 杏 | 梅..... | ( 18 ) |
| 竹 | 梅..... | ( 18 ) |
| 雪 | 梅..... | ( 18 ) |
| 月 | 梅..... | ( 18 ) |
| 风 | 梅..... | ( 19 ) |
| 烟 | 梅..... | ( 19 ) |
| 孤 | 梅..... | ( 19 ) |
| 移 | 梅..... | ( 19 ) |
| 疎 | 梅..... | ( 20 ) |
| 新 | 梅..... | ( 20 ) |
| 矮 | 梅..... | ( 20 ) |
| 远 | 梅..... | ( 20 ) |
| 瘦 | 梅..... | ( 21 ) |
| 宫 | 梅..... | ( 21 ) |
| 檐 | 梅..... | ( 21 ) |
| 咀 | 梅..... | ( 21 ) |
| 寒 | 梅..... | ( 22 ) |
| 盆 | 梅..... | ( 22 ) |
| 粉 | 梅..... | ( 22 ) |

|   |     |       |        |
|---|-----|-------|--------|
| 黄 | 梅   | ..... | ( 22 ) |
| 盐 | 梅   | ..... | ( 23 ) |
| 千 | 叶 梅 | ..... | ( 23 ) |
| 鸳 | 鸯 梅 | ..... | ( 23 ) |
| 钓 | 矶 梅 | ..... | ( 23 ) |
| 樵 | 径 梅 | ..... | ( 24 ) |
| 僧 | 舍 梅 | ..... | ( 24 ) |
| 道 | 院 梅 | ..... | ( 24 ) |
| 柳 | 营 梅 | ..... | ( 24 ) |
| 茅 | 舍 梅 | ..... | ( 25 ) |
| 苏 | 圃 梅 | ..... | ( 25 ) |
| 药 | 畦 梅 | ..... | ( 25 ) |
| 前 | 村 梅 | ..... | ( 25 ) |
| 照 | 水 梅 | ..... | ( 26 ) |
| 山 | 中 梅 | ..... | ( 26 ) |
| 胭 | 脂 梅 | ..... | ( 26 ) |
| 西 | 湖 梅 | ..... | ( 26 ) |
| 东 | 阁 梅 | ..... | ( 27 ) |
| 清 | 江 梅 | ..... | ( 27 ) |
| 孤 | 山 梅 | ..... | ( 27 ) |
| 罗 | 浮 梅 | ..... | ( 27 ) |

|      |        |
|------|--------|
| 汉宫梅  | ( 28 ) |
| 厮舍梅  | ( 28 ) |
| 书窗梅  | ( 28 ) |
| 城头梅  | ( 28 ) |
| 水竹梅  | ( 29 ) |
| 水月梅  | ( 29 ) |
| 檐上梅  | ( 29 ) |
| 杖头梅  | ( 29 ) |
| 隔帘梅  | ( 30 ) |
| 照镜梅  | ( 30 ) |
| 十二月梅 | ( 30 ) |
| 十二月梅 | ( 30 ) |
| 未开梅  | ( 31 ) |
| 乍开梅  | ( 31 ) |
| 半开梅  | ( 31 ) |
| 全开梅  | ( 31 ) |
| 水墨梅  | ( 32 ) |
| 画红梅  | ( 32 ) |
| 玉笛梅  | ( 32 ) |
| 纸帐梅  | ( 32 ) |

|                                 |          |
|---------------------------------|----------|
| 忆梅绝句·····                       | 李如筠 (33) |
| 庾岭梅花大开，文献公祠红梅尤盛，<br>手折一枝而去····· | 吴嵩梁 (34) |
| 庾岭红梅·····                       | 胡定 (35)  |
| 庾岭素梅·····                       | 胡定 (35)  |
| 忆梅五首·····                       | 胡定 (36)  |
| 早梅·····                         | 胡定 (38)  |
| 和吴子慈观察梅花诗二首·····                | 李尧文 (38) |
| 题大庾岭红梅三首·····                   | 丘濬 (39)  |
| 红梅赠翁佺事·····                     | 张弼 (40)  |
| 庾岭红梅·····                       | 薛雪 (40)  |
| 詠梅诗·····                        | 高启 (41)  |
| 无题·····                         | 濮阳传 (41) |
| 无题·····                         | 林和靖 (42) |
| 早梅·····                         | 无名氏 (42) |
| 早梅·····                         | 张渭 (43)  |
| 无题·····                         | 僧齐己 (43) |
| 无题·····                         | 徐玉泉 (43) |
| 无题·····                         | 王安石 (44) |
| 无题·····                         | 韩驹 (44)  |

〔附录〕

- 梅岭种梅史话……………陈礼箴（45）  
编 后 记……………政协文史工作委员会（49）



## 前 言

花开花落，星移斗转，树枯树荣，沧海桑田，抚今追昔，深思可量；天工造化所有自然景观，在人类的艺术思维和精神创造的媒介作用下，都已成为人文历史的载体。大余的梅岭和梅岭的梅花，概莫能外。因此，登岭赏梅，题诗咏对，自古迄今相沿成习，遂成大余文化之源，汇入囊括民族精神艺术瑰宝之汪洋。

大自然没有两片相同的树叶，也没有两朵一样的梅花，同样如此，咏梅的诗篇虽成千上万，然而每一首都是一个独特的艺术世界。个中相异境界之奇幻，自当悉心领略和感悟。本书所遴选，收集的100多首咏梅诗，便是一个充分的佐证。

这是一个由梅岭梅花的精神之光所交织的艺术空间。它全方位、多层次、多角度、辐射性地展示了大余梅岭之梅的千姿百态。或虬枝铁干的风骨，或暗香浮动的情韵，或瘦影寒峭

的坚忍，或疏影横斜的飘逸，或凌风傲雪的节操，或不入世芳的慎独……无不呈现一种源远流长的人本意识的回光，一种人格意念的象征和参照；乡风民俗，人伦世态，悲欢离合，恩怨生死，众生诸相……无不积淀梅花诗苍幽的意境和情结。

人生虽短暂，梅生亦无长。物质不灭的定律，更适应于精神不朽的存在方式，因而，梅花诗韵的跫音里总是浮起历史的回声，这使人们久久沉迷之后猛然醒悟，继而不胜唏嘘，远眺梅岭，任情思悠悠，如诗如梦。

梅岭多梅，每当寒冬腊月，梅花满岭怒放，奇艳宏恢，气势壮观，引领历代文人名仕竞相挥毫。有多少梅花，就有多少詠梅佳句。梅花岁岁开万千，詠梅诗篇知多少？流传下来的，固然是艺术瑰宝；散失在民间的，有庶民珍存，被视为家珍。我县吉村乡右源村的陈必明老先生就是一例。

如今，陈老先生怀着为大余文化作贡献的美好心愿，把他珍藏了百余年的詠梅诗毛笔手抄本提供给我们。这便是这本《赏梅诗集》诞

生的契机和前提，手抄本中的百首詠梅诗全部收辑入集。为此，我们谨向陈必明先生表示衷心的感谢。

我们相信，这本《赏梅诗集》的问世，将是探寻与发掘大余传统文化和历史的一项十分有意义的喜事，让我们寻着这千年的梅花诗韵，沿着梅岭古驿道拾级而上，去登攀民族文化的美学、诗学和史学的高峯。手捧《赏梅诗集》，放眼庾岭南北，看漫岭漫麓梅花丛丛势如海潮汹涌，我们赏梅詠诗，心旷神怡，情操因此而得以陶冶，灵魂因此而得以净化，思想因此而得以升华。

**《赏梅诗集》编委会**

一九九一年九月



## 寄范晔梅花诗

· 陆 凯 ·

折梅逢驿使，                寄与陇头人。  
江南无所有，                聊赠一枝春。

无                题

· 柳子厚 ·

早梅发高树，                迥映楚天碧。  
朔风飘夜香，                繁香滋晓白。  
欲为万里赠，                杳杳山水隔。  
寒英坐消落，                何用慰远客。

## 岭 上 红 梅

· 苏 轼 ·

梅花开尽杂花开，过尽行人君不来。  
不趁青梅尝煮酒，要看细雨熟黄梅。

## 喜见梅花

· 尚 铨 ·

|        |        |
|--------|--------|
| 我朔长江来， | 寒花寂无色。 |
| 峯峦上凝紫， | 滩石下喧碧。 |
| 今入大庾境， | 梅花始迎客。 |
| 冰玉森枝头， | 皑皑斗标格。 |
| 春风自东至， | 残雪不增白。 |
| 乃知天地心， | 自救岁寒厄。 |
| 我欲寄家信， | 琼枝倦攀摘。 |
| 传与天涯人， | 倚楼休弄笛。 |

## 庾岭红梅

· 刘 节 ·

庾岭初放一枝红，玉骨何人夺化工。  
淡着绛桃浓着杏，春光散在万花丛。

## 无 题

### (一)

南枝向暖北枝寒，一种春风有两般。  
凭仗高楼停吹笛，大家留取倚阑看。

### (二)

绾被红尘半点侵，谁能便改岁寒心。  
胭脂试抹春风脸，无奈东君雨露深。

## 腊 梅

### (一)

轻盈丰度缕金裳，不似西施粉态粧。  
为是来从直腊国，几人争号小黄香。

### (二)

静看寒英染淡黄，黔蕾岁晚发金囊。  
非干不入群芳伴，意恐东风薄沿粧。

## 绿 萼 梅

### (一)

原是仙人萼绿花，偶随春色到天涯。  
捧心忽见眉颦翠，映肉长将袖卷纱。  
应厌红椒含蓓蕾，尚嫌碧藓护槎牙。  
待看结实含酸子，本色青青是一家。

### (二)

何人有意为琼姬，楚楚新粧着绿衣。  
幸藉东君青胜负，清风千古占西湖。

## 落 梅

### (一)

一夜冰魂颠倒梦，晓惊捐映在尘泥。  
· 丈人不为春风住，仙骨终从羽化齐。  
香散楚台云缥缈，影空湘浦月低迷。  
祇须重见调羹实，不比风花一样飞。



(二)

笛声一夜满江村，吹落疎花半委尘。  
起坐寒窗愁绝处，不堪肠断忆佳人。

蟠 梅

难占成都十丈天，也教枝叶密相连。  
股肱屈曲应盘固，花萼交娇得暖先。  
残雪浸香浑一白，黄昏对月却同园。  
移尊上苑探春信，恍若虬龙跃九渊。

探 梅

(一)

· 冯学士 ·

不辞复齿印苍苔，为访逋仙几日来。  
一种孤芳冰作态，千芬瘦脸粉匀腮。  
暗香断续求风外，疎影横斜傍水涯。  
分付儿童和雪折，担头挑得几枝回。